

१९७६ अवृहि २३ घाट देवा ११०० पटियाला पनुष्ठित जडार गुरुवार प्रस्तावना

(१)	ज्ञः रत्नव एव, पात्रामात्र द्वारेव, देवेष्व रथा चलत् (पात्रिः) चारा द्वारिवा य।	- गतिपि	- ऐतिहास
(२)	ज्ञः रत्नव रथा शम्भवात् त्वोः पात्रामात्र सि एव इव रथार्थि, चारा द्वारिवा य।	- गतिपि	- पनुष्ठित
(३)	उद्दै रथामात्र रात्र घात्त, ०५ (प्रातिव्रत उद्दै) वार्षीये देव विद्व वा मित्री चारा द्वारिवा य।	- गतिपि	- १
(४)	ज्ञः रत्नव वीराम पात्रदेव, एव एव एव सि एव एवेच, चारा द्वारिवा य।	- गतिपि	- ऐतिहास
(५)	ज्ञः एव, एव, द्वारा, सि० वार्षीये देव रथा-वाहिकी, चारा	- गतिपि	- १
(६)	पवदत्तु रथामात्र एव, सि, देव, चारा द्वारिवा य।	- गतिपि	- १
(७)	ज्ञाव रथामात्र रथामात्र, चारा द्वारिवा य	- गतिपि	- १
(८)	ज्ञाव रथामात्र रथामात्र, चारा द्वारिवा य प्रदानम्, चारी द्वारिवा य।	- गतिपि	- १

ज्ञः रथामात्र द्वारा पात्रदेव (पात्रिः) सि एव एवेच (पात्रिः) चारा रथामात्रके गतिपि
पनुष्ठित होने वाले गतिपि द्वारा देवामात्र दर्शन।

१। पात्रिः पात्र, रथा रथामात्रा चारा

प्रस्तावना (१९७६) मानव पात्र, रथा रथामात्रा चारा द्वारा दिखाय परिचय दृष्टा।

प्रयोग :- दरकिं यज्ञा सद !

(१०) अष्टु या छार विषय सिवाय बहीर एवं ददेशा लग द्ये गत १९७३-७४ वार्षिक खात्री
वा वार्षिक खात्री विष्ट वर्णित घटनाओं परिवर्त विस्तृत घटनाएँ हैं :-

(୯) କର୍ମଚାରୀ ବାଧୀର ଲୋକାରୁଦ୍ଧ କର୍ମଚାରୀ ଦର୍ତ୍ତନ ସଂଖ୍ୟା: ଟଙ୍କା: ୬୦,୦୦୦/-

(पो) एवं, हे, उ पक्षम दर्शित रद्दारूप दूतव पठिहिएः का रु १,०२,०००/-

(ई) दिल्ली परिवार शे टेली जोगाई
वदारा दु नाविह बाखून लह वर । टोः १,००,०००/-

ପ୍ରାଦିତ୍ ଯା କରେନ୍ଦ୍ର ଥିଲେ ପରିବାର ଦିଇ ଥାଇଛି । ଟଙ୍କା ୩,୨୨,୦୦୦/୦୦

(খ) বর্তমান আর্দ্ধক বছরের খরচ থেকে বিকল্পরীতি থাটে
বাস্তি খরচ হচ্ছে।

(d) ବୈଷ୍ଣ ତିବ ଦର୍ଶାଧାଦି ଏବଂ ବିତ୍ତିବୈଳ ତିବ କାଇନ ଯେବାପତ୍ର ବା ସ୍ଵତଃ ବାଲ୍ପତି ଗଠନ (ଜୁଲେ ୧୯୫୦ ମେରୁ) : ୩୯ ୭୨,୦୦୦/-

(ସେ) ବୈଦ୍ୟ ତିବ ରିମ ପରିଧୋଷ (ହୋମନ୍ଦା) । ଟଙ୍କା ୧,୦୦,୦୦୦/-

(३) दूसरी प्रबल्हारा रास्ता अनुभव वापत वाल्टि थिए। टोः ९२,०००/-

(४८) बेंज व शाते चाहुड़ि धर्दा। रुप. ३६,०००/-

मोट राशि रु. १०,००,०००/-

दहुनीउद्योगम योग्यता वाले ग्रन्थ सह इसार बाबूलाल द्वारा प्रकाशित ग्रन्थ नि. १२५८-१६
जाहिनपुर यापाल यापाल वाले बाबूलाल द्वारा २ लाख ट्रेसर द्वारा प्रकाशित ग्रन्थ।

त्रिवर्षीय टोकः १,५६,०००/- या कार्यमें एक वेचके काल्प देख वा त्रिवि धारण

प्राप्ति विद्या के लिए अपनी जीवन को अपनाना चाहिए। इसे परमार्थ

प्रत्येक वर्षीय राशि द्वितीय अंक रु १०००००/- प्राथमिक प्र

କରିବାକୁ ପରିଚୟ ଦିଲାଯାଇଛନ୍ତି ଏହାର ଅଧିକାରୀ ମହାନ୍ତିର ପରିଚୟ ଦିଲାଯାଇଛନ୍ତି ।

झालह गम्भीर विवरण

झालह (१९७६) द्वारा झालह गम्भीर विवरणी प्रबन्ध छोड़ा।

३।

नवीन विप्रवैष्णव टीक विषय अनुरूप ग्राथयिक नाथ

नवीन विप्रवैष्णव टीक विषय अनुरूप ग्राथयिक नवीन ग्रन्थालय के शास्त्र/ना वैद्यनाम संस्कृत विषयक विषयालय द्वारा विप्रवैष्णव ग्राथयिक नवीन विषयक विवरण द्वारा दिया गया है।

४।

ज्ञेन्विद्या ए शाधारण शा शगाताज

ज्ञेन्विद्या ए शाधारण शगाताज ग्रन्थ चिह्नित विज्ञान जाँच नं १५५५ द्वारा दिया गया विषय विप्रवैष्णव नवीन ग्रन्थ द्वारा दिया गया विषयक विवरण द्वारा दिया गया है।

५।

वाया वुर दरण

ज्ञेन्विद्या ए वा शार एक वा न विप्रवैष्णव जयि इत्यावृत्त विवरण द्वारा वाया वुर दरण द्वारा दिया गया है।

विषयवस्तु दाग वर्ष १ एकादश वर्ष १ यात्रिकरण वर्ष १ ग्रन्थीजार वाय १ घुरा ०

(५) ज्ञेन्विद्या ए वाया एकादश

(१) १-लि एकादशके वाया एकादश विषय वेष्य आगा पावपूर्व दा ईम्ब छेवा-रि १-१-७०१
एकादश।

(६) वर्णित एकादश

(७) ८२ वाया वगाडा। दो वाया राज्याल विषय वाय अहिंस १५-१-७०१

क्रमांक १- जागादी चण्डु निक बज्जा पहार तरे लेप दला थो द :

क्रमांक २- शिवाय निलवा दला थो द। प्रियदर्शा विडोरे र छुवियाँ अधिष्ठित परिवाह उ विघ्नतर
वर्णार्थ ह एर्जा टीक्कामेर जग्गा-सनुठिमेर तरे आधिक पिला चैबैजिव दरा
दो द। लाट्टि पर्खुठिर्दा विडोरे तिवटि घंग्हरा र सामे पर्खुडले र
विधिह पनुकाव छिक्काव ढाँग्हा द्योर ।

क्रमांक ३- विवेचना दला थो द। वर्धा र बज्जा र शुक्लिते जाः मैयुद हुघायू न बवैरेन गोप्तुत
पावेद्द विवेचना दला थो द। तरे गोप्तुति वियुक्ति विवेचना दले तो ह वर्धा र बेचन
दल ४५०-५०-१०००१०००० र बेचन बज्जा ५५०-५५-१५०० ज्ञात दलार गुम्हाव
पनुदो दल दला थो द। उर्ध्वत्र चूप्ते गुम्हा दले र जग्गा त्रो रण दला थो द ।

क्रमांक ४- (२) जागादी चण्डु पाइव टेप्टेटोर बजायत नर लोख फक्का थो द।
(३) चन्दुवा दित ।

६। वाचा बुद्ध करण

पठ २७-१-७६ जारिथेर ५ बजार शूषी प्रश्नाव ऐक्य ।

सर्व ईशाविदा य वाचार एवासार ००-वि दाले र उचित्प्रद द्वितीय प्रोविता विः ईशन रेत्त
एक अशीदूज आलामार ० ठोशिष्व आलामारम्भ इमारुद वराम एक वाचा बुद्ध करणेर उत्त देवत्त
विवेचना करा ।

७। शुद्धवर्ण पूवदृक्ष्यात्मक

जान ईशाविदाम तिक्ष्य उक्तिमात्र एक्टिर दोषारेत्ति २३ न९ वाजीर शूषदह वर्त्तवाद वर्त्त
आलार वृक्ष छाव द्वूषारे वा विक शुद्धिर्विति १२,०००/- टोल र गतिवर्ते १५,६००/- टोल
शुद्धवर्णात्मक वरा र विष्व विवेचना करा ।

८। ईशाविदा य वाचा द्वारा शर्वांगीव श्रीमति शाखा

ईशाविदा य वाचा द्वारा शर्वांगीव श्रीमति शाखा विश्वविति वा य एवामो दद ० वर्त्त
प्रश्नाविनाय विष्व विवेचना करा :-

- (१) वार्षि वेजनोयाचार्यसेर शम्भुश्च नहोम शरणीर शुर्व ० गच्छि पार्वति एवाम रेत्ति चक्ष
एह शाते वर्त्तवा वा दार दर्शन रेत्ति पावूदा विह योट शर्तचेर विष्व वाचा द्वारा दालार
७५,०००/०० टोल ।
- (२) ईशिलोटि शम्भुश्च पावूदा रेत्ति रेत्ति शाखा । एह शाते पावूदाविक यो ट शर्तचेर
प्रतिवा ८ घरे ८०,०००/- टोल ।
- (३) एचूषेत एव, लि, जेव लोटे शश्व गार्डेर रेत्ति शाखा । एह शाते पावूदा विह योट
शर्तचेर प्रतिवा ८ ८०,०००/०० टोल ।

९। वाजीर नवमा : शर्वांगीव प्रश्नाव

पठ २७-१-७६ जारिथेर ११-४ (१००) बजार शूषी प्रश्नाव ऐक्य ।

त्रिविष्वपुर लोपार ९०० (प्राप्तिर) पालद र दिह धाकिवरे माष "ज्ञाव एव, ए, शतिवर"
प्रतिवर्ते "ज्ञाव एव, ए, शतिवर ० देवम शुद्धा वर्त्ति" शश्व एव दर्शन विष्विते देवत्त एवम चक्ष
रत्तिवर १०-२-७६ जारित वर पावेम्भ वर्त्ति प्रार्थवा विवेचना करा ।

१०। वा विक शुद्धवर्ण विष्वत्ती १९७३-१९७४

कालेजलोटेर यास्टेर (१९७३ १४६) ५ बजार वर्त्ति वर्त्ते चारा ईशाविदा वर्त्त १९७३-७४
शाम्भुश्च शाम्भुश्च शुद्धवर्ण विष्वत्ती विवेचना करा ।

ଶ୍ରୀଜନ୍ମନ୍ତର :- ୪୦-ବି ହାଲେ କୁଳ ରୈତା କା ଯାଇ ବିଃ ଇଶ୍ଵର ଶୈଖିତ ଦର୍ଶିତ ବିଶ୍ଵାସ କାହାର କବ୍ୟ
ପାରେଣି ହାରୀଥି କୁଳାଧ୍ୟ କରା ହୋଇ ।

ଶ୍ରୀଜନ୍ମନ୍ତର :- ଯାମାରୀତି ବିବେଚନାର ଘର୍ୟ କଥା କଥା ହୋଇ ।

ଶ୍ରୀଜନ୍ମନ୍ତର :- ଯକୁଳୋ ଦଳ କରା ଦେଇବା ଯ ଗୁର୍ଜନେର ପାର୍ଶ୍ଵର ଦଂପତ୍ତିହିନୀଙ୍କର କଳେ ମେଣ୍ଟିଷ୍ଟ ଏତୀର
କୁଳାଳୀରୁ କା କୁଳିର ପାର୍ଶ୍ଵର ବନ୍ଧୁମନ୍ଦର ବିଧିତେ ଉର୍ଧ୍ବତର କୃଷ୍ଣଙ୍କର କାହେ ପ୍ରମାଣୁନ୍ମୋଦନ
ଓ ଯ କୁଳୋ ମନେର ଘର୍ୟ ପ୍ରସ୍ତାବ ଦେଇ କରା ହୋଇ ।

ଶ୍ରୀଜନ୍ମନ୍ତର :- ଯକୁଳୋଦଳ କରା ଗେଲା ।

ଶ୍ରୀଜନ୍ମନ୍ତର :- କରିବି ପଢ଼ାଲେବା ୧୯୬୩-୭୫ ମାନ୍ଦର ଯା ଯିମ୍ବୁଦ୍ଧା କବ ରିବର୍ଲୀ ଯାମାର ପୁଣି ଓ ଜୀବାବିଦ୍ୟା ଜ
ବିଜ୍ଞାନ କାହାର କଥା ହୋଇ ।

१११ शाब्दिक विद्यालयीकरण

पशुद्वारी शितिक चाल जा रामोह जवा ए छटेवयेको गाउँठेख शुभमेहर ९ वस्त्र र चाला पशुक
५ गोौठ छव रामविर विद्यालय विषय विवेचना दला ।

१२१ पश्चौप रामियेपिक्र विषय शिक्षण रामियेसार

पश्चौप रामियेपिक्र विषय शिक्षण शुभमेहर ५ विकास ०१-१२-१५ जाहिर रह रामेहर
आप्णिय विषय शिक्षण लाईचा ह चारिमाह विषय विवेचना दला ।

ऐ थाते आकडारे वाढेटे दोब घर्ष रामापर वाई ।

१३१ शाविद्यि एवा रा र रा शु

जास लोवाविद्याप एवा रा र रा विविदि पश्चौप वामिकरामेहर पावेदेव विवेचना दला ।

१४१ राज्ञेवयेको धारेटे ए वमाझी द्वेषा वसान्नवयेक तिव धामेह आळा शुक्र

राज्ञेवयेको शुक्र धारेटे द्वेषा धामेह अमेह तिव धामेह वमेह आळा शुक्र रामार
विषय विवेचना दला ।

१५१ शुष्कर लिंगि विर्द्धिरं वाऽपि विश्व

लोवाविद्या ए एवा राम्म पवित्रित अद्वालीह शुष्कर धूल शुन/विर्द्धिरं लौति विर्द्धु रामार
विषय विवेचना दला ।

१६१ जास लोवाविद्या र माधारण रा रामात्ता

जास लोवाविद्याप माधारण रामागागारण शुद्धोधनीय विजित फरम आम्भुयाविद ५,२००/- टोक्क
रामार रा रामोह विषय विवेचना दला ।

१७१ रवाजारण लिंगी ट्रैक वेस्टवेच

रवाजा रजा लिंगी रामार शुरिधार छवा एमेजो रवाजारण लिंगी अम्भारार्ट ट्रैक वेस्टवेच
रामार लिंगित अम्भार शुल्क शुल्क व विवेचना दला ।

ऐ थाते वाढेटे रामापर दोब घर्ष वाई ।

ଶ୍ରୀତ୍ରୁପୁର :- କୁମୋଳ ଦରା ଆମ । ଏହାରେ ବିଶ୍ୱାସିତ ଥରଚେର୍ ନିରିଣ୍ଡି ୦ ନିଲ୍ଲାମୀ ହୃଦ କା ତିଳୁନେବ
ବିଷ୍ୟ ବିବରଣ ୦ ଗମେହ ବାମୋ ଦ୍ଵାରା ଘର ପା ଗାମୀ ଘରାନ୍ତ ଜ୍ଞାପ ଦରା ହୋଇ ।

ଶ୍ରୀତ୍ରୁପୁର :- ବିବେଚନା ଦରା ଆମ । ଦେଖିଲେ ଥାତେ ଯ ଯ ଘର୍ୟ ବିଷ୍ୟ ବିଧାତୀ ବାପାଟ ମନ୍ଦିର ଦରାର
ଦରା ଇତିଶୂର୍ବେ ନିମ୍ନ ଦ୍ଵାରା କର୍ତ୍ତବ୍ୟ ଦେଖି ପରୁଦା ବ ଧେଇ ବିରୀଷ୍ୟରେ ହୋଇ ।

ଶ୍ରୀତ୍ରୁପୁର :- ବିବେଚନା ଦରା ଆମ । ଏହି ଥା ତେଣୁଠେବେ ବିଲିଙ୍ଗରେ ହୋଇ ୫ ଅଧାରେ ବରାନ୍ଦୁ^{ଖେଳ} ବାର୍ଷିକୀ
କ ବନ୍ଦା ଶ୍ରୀରାମ ଦରା ହୁଏ ।

ଶ୍ରୀତ୍ରୁପୁର :- କୁମୋଳ ଦରା ଆମ ।

ଶ୍ରୀତ୍ରୁପୁର :- ପାଦାଧୀ ଘରାନ୍ତ ବିବେଚନାର ଘର୍ୟ ଜ୍ଞାପ ଦରା ହୋଇ ।

ଶ୍ରୀତ୍ରୁପୁର :- ପରୁମୋ ଦରା ଆମ ।

୩. ଶ୍ରୀତ୍ରୁପୁର :- ଶୈରତି ବିଦାମେ ବିଦମୀ ଦରାର ଦରା ଶ୍ରୀରାମ ଦରା ହୋଇ । ପରବର୍ତ୍ତୀ ଶଶିକୁ ବିଦଶୀତ
ପରି ଏବଂ କରାରତ୍ୟାମ । ଶଶିକୁ ପରି ବରାନ୍ଦେର ପରି ଏହାଜିତ ହରେ କରାରତ୍ୟାମଜୀ
କାମର ମୁକ୍ତ ଗରିବାକାଳେ ପକ୍ଷ ଏହାଟି କରୁଥିବା କେବାକି ଯ ବନ୍ଦା ଶ୍ରୀରାମ ଦରା ହେବ ।

୧୮। ଏହାକେବିଷାର୍ଥୀ କୁତଳ ଦୀପା ରେଖ ଥାଲୀ ଜାହୁଗା

ମୋହାରିର ଏ ବୁଦ୍ଧବ ଯା ତା କେବ ବନ୍ଦାକୃତ ଶୁଦ୍ଧ ଯେଶ୍ଵରା ଅଥବା ସର କରେ ବାହୀ ପାଇଁ ପାଇଁ
ଜାତିର ବିଟ ବଜାର କରା ।

१९। विष्णु द्वारा शुभागविन पाण्डित का विवेकद्वयो द्वा टीका विश्वे इच्छावान

युग्मित धर्म वहातेदी, दृढ़दृष्ट शरा योविवाष प्रधाव चिक्कमर ४-०-५६ लोक्य
विहित विष्णुटि छिवेचवा द्वारा ।

२०। वाढ़ीर बहुधा

୧୯୨୪ ମାର୍ଚ୍ଚିଆର ଏ କିଲାଦିକେ ଏ ଫର୍ମଟେ ଏଁ ୧୯୯ ଧାରା ଯୋ ଜାତୀୟ ବିଷୟ ସର୍ବିତ କାହୁଁ ଏହି ନିର୍ମିତ ଜାତୀୟ ପ୍ରତି ବିବେଚନା ହରାର ପରା ଅନ୍ତର ହରାର ଅବ୍ୟାପ୍ତି କାହାରୁ ପ୍ରତିଶ୍ରୁତି ଦିନ୍ଦ୍ୟପତ୍ର ଧୂରା ଶୁଣିବାଟି ଜାର କରିବା କାହା ନୋ ଥରୁଛି ଏବଂ ଏ ପ୍ରତି ଅନ୍ତରିକ୍ଷିତ ।

प्राचीन वर्ष १९६ शालिक/सेप्टेम्बर २०२३ वार्ष १ अष्टे वद्युत १ दोषा १ वद्युत

କେବାନିବା ଯ କରିଛ ଏହା କା

(१) ਬਿਹੁ ਦਾ ਦੂਜਾ ਪਾਸੜਾ ਹੈ ਅਥਵਾ ੨੯-੩੦ (ਪਾਂਚਿਲ) ਫੇਰਾਇਥਾਂ। ਤੌਮਿੰਦ ਕੱਢਾ।

— བྱାନୁ རେ

ঢাকা কর্মসূলীর
০৮-০৬-

শুহীত তথ্য :- বিদেশি কর্তৃক আনন্দলোকনামের দ্বারা পরামর্শ দাতা থাবে ।

শুহীত তথ্য :- বিদেশী কর্তৃক "বিষম চৰছে তেওঁৰ অবস্থাৰ" সেৱাবিদ্যা এ পৰ্যন্তে দ্বৈত কৰা হ'ব অৰ্থাৎ গ্ৰহণ কৰা হোৱ ।

শুহীত তথ্য :- ১৯২০ খ্রিস্টাব্দে প্রচেতৰ ১৮১(১) ০ ১৮৩(৫) পৰ্যন্তে বজে বিশ্ব বৰ্ষিত দহনাদি পৰ্যন্তে কৰা হোৱ । একবাবে বৰ্ষাদি বৰ্ষাদি বৰ্ষাদি পৰ্যন্তে কৰা হোৱ । বৰ্ষাদি পৰ্যন্তে পৰ্যন্তে জারিৰ খেয় ১২ (খাত) ঘৰেৰ পথে বালীটোৱা হৈব বৰ্ষ । বৰ্ষাদি পৰ্যন্তে পৰ্যন্তে জারিৰ খেয় ১২ (খাত) ঘৰেৰ পথে বালীটোৱা হৈব বৰ্ষ । বৰ্ষাদি পৰ্যন্তে পৰ্যন্তে জারিৰ খেয় ১২ (খাত) ঘৰেৰ পথে বালীটোৱা হৈব । এই পথে পৰ্যন্তে পৰ্যন্তে জারিৰ খেয় ১২ (খাত) ঘৰেৰ পথে বালীটোৱা হৈব । এই পথে পৰ্যন্তে পৰ্যন্তে জারিৰ খেয় ১২ (খাত) ঘৰেৰ পথে বালীটোৱা হৈব । এই পথে পৰ্যন্তে পৰ্যন্তে জারিৰ খেয় ১২ (খাত) ঘৰেৰ পথে বালীটোৱা হৈব । এই পথে পৰ্যন্তে পৰ্যন্তে জারিৰ খেয় ১২ (খাত) ঘৰেৰ পথে বালীটোৱা হৈব ।

১২ (খাত) পাদিক/ইস্তাবাহীৰ কাৰ্য ১ পুঁট কুড়ুৰ ১ মৌজা ১ মুকু

সেৱাবিদ্যা এ বৰ্ষিত একাবে

(১) বিদেশ দাতাৰ আপোক । যি এম বৰ-২৭২ (পোৱানিক) ইত্যাধিষ্ঠুৰ । পয়ুনো কি ।

শুহীত তথ্য
কানকমোহন পুর্ণকুমাৰ অক্ষয়কুমাৰ
চাকা কানকমোহন

08-06-95

লে: ফর্মেল
আভাশতি
ক্লান্টনেট-বোর্ড, কুমাৰ কানকমোহন
08-06-95